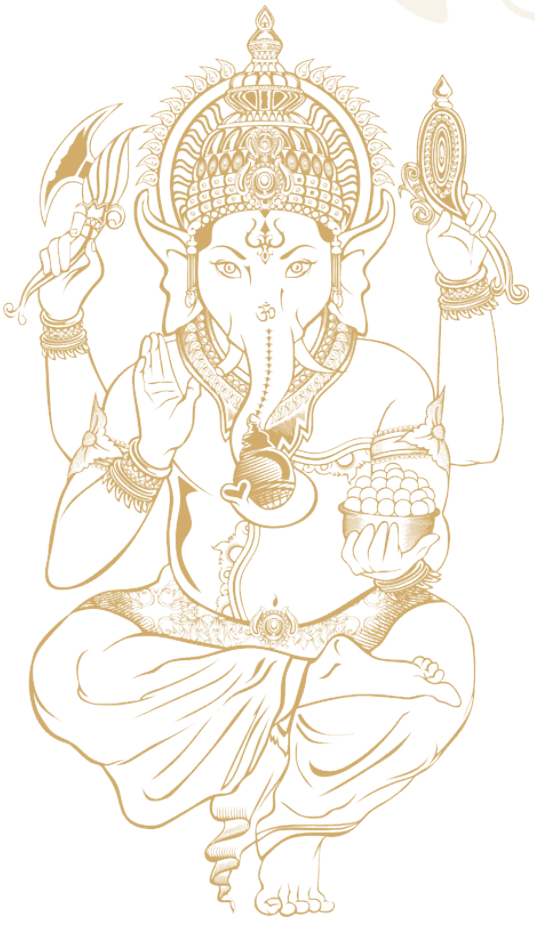

Mudit aggarwal

Shivangi aggarwal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121375304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/01/1996	जन्म तिथि	31/08/1997
बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 09:03:00	जन्म समय	09:47:00 घंटे
घटी 04:30:50	जन्म समय(घटी)	09:33:11 घटी
India	देश	India
Noida	स्थान	Bulandshahr
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:30:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:39	सूर्योदय	05:56:19
17:40:34	सूर्यास्त	18:41:16
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:26

विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 6मा 14दि

चन्द्र

26/07/2022
25/07/2032

चन्द्र	26/05/2023
मंगल	25/12/2023
राहु	25/06/2025
गुरु	25/10/2026
शनि	25/05/2028
बुध	25/10/2029
केतु	26/05/2030
शुक्र	25/01/2032
सूर्य	25/07/2032

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
24:50:26	मक	लग्न	तुला	03:45:48
25:21:30	धनु	सूर्य	सिंह	13:58:47
12:18:17	सिंह	चंद्र	कर्क	24:12:29
07:31:11	मक	मंगल	तुला	16:47:41
11:21:37	मक व	बुध व	सिंह	14:43:39
07:43:59	धनु	गुरु व	मक	20:30:43
00:02:29	कुंभ	शुक्र	कन्या	22:13:48
26:16:00	कुंभ	शनि व	मीन	25:48:38
27:56:12	कन्या व	राहु व	सिंह	25:54:35
27:56:12	मीन व	केतु व	कुंभ	25:54:35
06:04:16	मक	हर्ष व	मक	11:40:12
01:13:03	मक	नेप व	मक	03:44:57
08:26:04	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:05:32

विंशोत्तरी
बुध 7वर्ष 4मा 18दि

शुक्र

19/01/2012
19/01/2032

शुक्र	20/05/2015
सूर्य	20/05/2016
चन्द्र	18/01/2018
मंगल	21/03/2019
राहु	20/03/2022
गुरु	18/11/2024
शनि	19/01/2028
बुध	19/11/2030
केतु	19/01/2032

लग्न-चलित

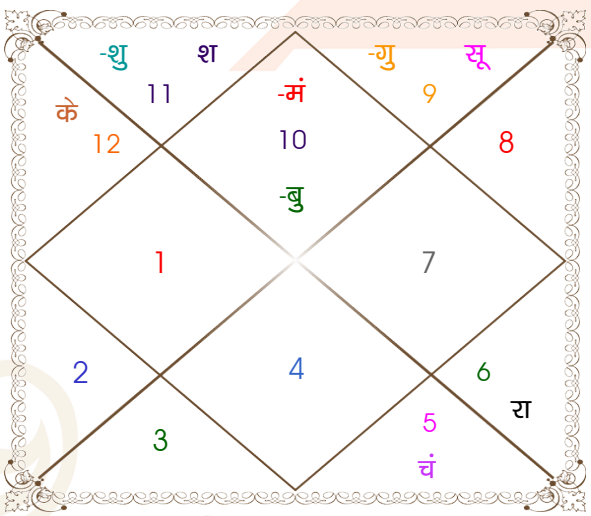

लग्न-चलित

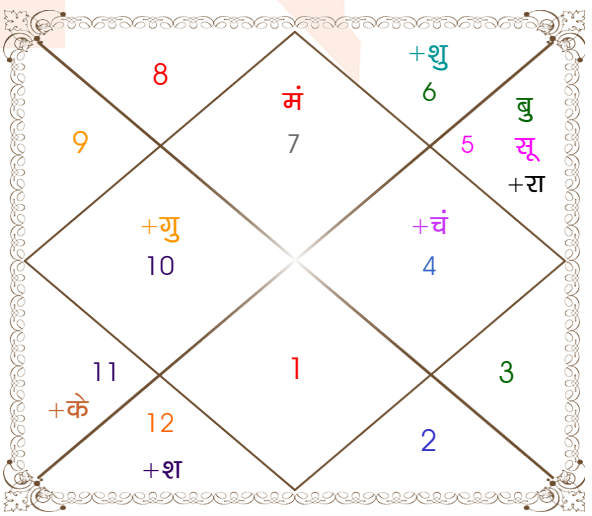

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मार्जार	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डनकपज ंहहंतूंस का वर्ग मूषक है तथा ौपअंदहप ंहहंतूंस का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डनकपज ंहहंतूंस और ौपअंदहप ंहहंतूंस का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डनकपज ंहहंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल डनकपज ंहहंतूंस कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डनकपज ंहहंतूंस कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौपअंदहप ंहहंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौपअंदहप ंहहंतूंस कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डनकपज ंहहंतूंस तथा ौपअंदहप ंहहंतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।